



CLASSIQUES  
GARNIER

TERNAUX (Jean-Claude), « Index “pharsalique” », *Lucain et la littérature de l'âge baroque en France. Citation, imitation et création*, p. 439-443

DOI : [10.15122/isbn.978-2-8124-5642-8.p.0438](https://doi.org/10.15122/isbn.978-2-8124-5642-8.p.0438)

*La diffusion ou la divulgation de ce document et de son contenu via Internet ou tout autre moyen de communication ne sont pas autorisées hormis dans un cadre privé.*

© 2000. Classiques Garnier, Paris.  
Reproduction et traduction, même partielles, interdites.  
Tous droits réservés pour tous les pays.

## INDEX «PHARSALIQUE»

### LIVRE I

- v. 1: 10n, 169, 181n, 336.  
v. 2: 19, 22, 139, 140, 179, 262,  
283, 335.  
v. 3: 118, 179, 331.  
v. 2-3: 349.  
v. 1-4: 38.  
v. 6: 169.  
v. 7: 86.  
v. 6-7: 89, 209, 336.  
v. 1-7: 110-112, 118.  
v. 8: 37, 170.  
v. 8-9: 296.  
v. 9-10: 300.  
v. 10-11: 40.  
v. 13: 62, 78, 255, 353.  
v. 14: 255.  
v. 13-14: 174, 187, 255.  
v. 16-18: 353.  
v. 19: 174.  
v. 21: 78.  
v. 21-23: 167.  
v. 24: 78.  
v. 25: 254.  
v. 26: 78, 254.  
v. 24-26: 185.  
v. 28: 254.  
v. 29: 79.  
v. 28-29: 341.  
v. 30: 187, 328.  
v. 31: 187, 328.  
v. 30-31: 70.  
v. 34: 150.  
v. 35: 150.  
v. 37: 70.  
v. 37-38: 276.  
v. 38-43: 319.  
v. 44: 76.  
v. 45-47: 96.  
v. 48: 76, 79.  
v. 50: 26, 79.  
v. 51: 26, 76.  
v. 54: 76.  
v. 55-56: 79.  
v. 60: 76.  
v. 63-66: 221.  
v. 68-69: 170.  
v. 70: 186.  
v. 70-72: 183.  
v. 72-74: 329.  
v. 72-79: 172.  
v. 77-78: 171.  
v. 79-80: 181, 329.  
v. 81: 331.  
v. 81-82: 165n.  
v. 82-83: 340.  
v. 84-93: 327.  
v. 92-93: 56, 181.  
v. 95: 169, 178, 342.  
v. 99-100: 166.  
v. 107-108: 347.  
v. 125: 351.  
v. 125-126: 181, 207.

- v. 128: 25, 272  
 v. 129: 86.  
 v. 131: 272.  
 v. 136-143: 165.  
 v. 138-143: 189.  
 v. 146: 291.  
 v. 150: 272.  
 v. 151-152: 27.  
 v. 164-165: 307.  
 v. 165-166: 58.  
 v. 178-180: 237.  
 v. 185-194: 24.  
 v. 186-189: 280.  
 v. 191-192: 298.  
 v. 193-194: 298.  
 v. 205-207: 229.  
 v. 209-210: 291.  
 v. 303-305: 298.  
 v. 326: 204n.  
 v. 335: 204n.  
 v. 348-349: 156.  
 v. 359: 156.  
 v. 363-364: 156.  
 v. 366: 156.  
 v. 379: 156.  
 v. 381: 156.  
 v. 383-384: 156.  
 v. 503: 139-140.  
 v. 527: 173.  
 v. 543-544: 278.  
 v. 565-566: 359.  
 v. 572: 179, 359.  
 v. 580-583: 281.  
 v. 667-668: 283.  
 v. 666-669: 283.  
 v. 841: 292.  
 v. 908: 277.

## LIVRE II

- v. 7: 182.  
 v. 9: 182.  
 v. 12: 182.  
 v. 18: 139-140.  
 v. 38: 349.  
 v. 48-52: 188.  
 v. 100: 151, 304.  
 v. 101: 151.  
 v. 103: 151.  
 v. 103-104: 204.  
 v. 104-107: 263.  
 v. 108-109: 284.  
 v. 111-113: 152, 305.  
 v. 118-132: 204n.  
 v. 139-233: 134n.  
 v. 148-150: 205.  
 v. 149-151: 15, 294.  
 v. 154-159: 205n.  
 v. 166-173: 205n.  
 v. 177: 22, 139, 140, 262.  
 v. 181-187: 262.  
 v. 209-211: 304.  
 v. 286-287: 37, 149.  
 v. 289-292: 37, 149.  
 v. 306-313: 365.  
 v. 308: 131.  
 v. 351-352: 293.  
 v. 380-391: 55, 56.  
 v. 558-559: 156.  
 v. 587: 124.  
 v. 691: 128-129.

## LIVRE III

- |                    |                  |
|--------------------|------------------|
| v. 91-92: 154.     | v. 351-352: 264. |
| v. 76-78: 355.     | v. 455-457: 257. |
| v. 118-120: 58.    | v. 449-450: 57.  |
| v. 91-97: 352.     | v. 469-470: 257. |
| v. 179: 122-123.   | v. 464-466: 257. |
| v. 119-121: 55-56. | v. 614: 54, 56.  |
| v. 288-290: 253.   | v. 472: 257.     |
| v. 220-221: 249.   | v. 748-750: 344. |
| v. 380-391: 28.    |                  |

## LIVRE IV

- |                   |                           |
|-------------------|---------------------------|
| v. 185: 154, 407. | v. 549-551: 180n.         |
| v. 788-790: 348.  | v. 548-556: 112-114, 119. |
| v. 189-191: 407.  | v. 562-563: 264.          |
| v. 310-313: 265.  | v. 552: 180.              |
| v. 292-293: 265.  | v. 704: 56.               |
| v. 511: 179n.     | v. 579: 26.               |
| v. 373-381: 58.   | v. 822: 286.              |

## LIVRE V

- |                  |                  |
|------------------|------------------|
| v. 14: 154.      | v. 316-318: 29.  |
| v. 22: 154.      | v. 395-396: 154. |
| v. 26-27: 366.   | v. 534: 292.     |
| v. 34: 154.      | v. 567: 292.     |
| v. 37-39: 366.   | v. 632-633: 259. |
| v. 250-253: 154. | v. 634-636: 260. |

## LIVRE VI

- |                |                |
|----------------|----------------|
| v. 19-25: 254. | v. 38-39: 258. |
| v. 36-40: 256. | v. 88-91: 288. |

v. 110-113: 292.  
 v. 173: 139-140.  
 v. 420-422: 333.  
 v. 511-512: 286.  
 v. 522: 287.  
 v. 533-534: 277.  
 v. 592-595: 276.  
 v. 596: 277.

v. 654-655: 282.  
 v. 674-675: 290.  
 v. 679: 290.  
 v. 685-686: 290-291.  
 v. 688-690: 289.  
 v. 727: 290.

## LIVRE VII

v. 7: 212n.  
 v. 9-11: 212.  
 v. 60: 171.  
 v. 62-85: 193.  
 v. 91-92: 369.  
 v. 95: 170.  
 v. 148: 301.  
 v. 168-171: 273.  
 v. 192-197: 210.  
 v. 203-204: 334.  
 v. 211-213: 301.  
 v. 240-242: 285.  
 v. 254-255: 298.  
 v. 262-263: 155.  
 v. 337-341: 310.  
 v. 346-350: 155.  
 v. 358-360: 368.  
 v. 362-364: 347.  
 v. 371-373: 367.  
 v. 391-393: 185.  
 v. 397-399: 186.  
 v. 418-419: 202.  
 v. 446: 182n.

v. 455-459: 18.  
 v. 447: 59.  
 v. 501-502: 91.  
 v. 476-646: 208.  
 v. 519-520: 209, 337.  
 v. 533: 303.  
 v. 520: 258.  
 v. 557-565: 356.  
 v. 551: 273.  
 v. 570: 258.  
 v. 568-570: 358.  
 v. 617-620: 345-346.  
 v. 571: 338.  
 v. 626-630: 294.  
 v. 623-624: 345.  
 v. 776-778: 360.  
 v. 766-770: 306.  
 v. 851-852: 223.  
 v. 826-830: 33.  
 v. 859: 223.  
 v. 858-859: 339.

## LIVRE VIII

v. 88-89: 401.  
 v. 89: 324.

v. 390: 371.  
 v. 92-94: 370.

- |                  |                  |
|------------------|------------------|
| v. 103-104: 371. | v. 614: 201.     |
| v. 484-485: 390. | v. 616: 202.     |
| v. 484-535: 382. | v. 636: 202.     |
| v. 492-493: 206. | v. 693: 379.     |
| v. 493: 155.     | v. 708-711: 395. |
| v. 493-495: 57.  | v. 698-699: 395. |
| v. 494-495: 390. | v. 811-812: 363. |
| v. 504-505: 390. | v. 806-807: 363. |
| v. 506-509: 384. | v. 814-815: 363. |
| v. 508-509: 385. | v. 811-814: 33.  |
| v. 534-535: 57.  | v. 851-853: 250. |
| v. 613-615: 393. |                  |

## LIVRE IX

- |                  |                      |
|------------------|----------------------|
| v. 1: 153.       | v. 634: 286.         |
| v. 2-17: 153.    | v. 645-653: 104.     |
| v. 17-18: 418.   | v. 808-810: 137-138. |
| v. 18: 272.      | v. 985-986: 7.       |
| v. 108: 402.     | v. 1010-1013: 94.    |
| v. 188-189: 376. | v. 1032-1043: 94.    |
| v. 211: 378.     | v. 1033-1034: 394.   |
| v. 357-367: 162. | v. 1038-1039: 388.   |
| v. 380-381: 156. | v. 1066-1068: 388.   |
| v. 390: 156.     | v. 1073-1076: 408.   |
| v. 392-393: 156. | v. 1081-1084: 388.   |
| v. 402-404: 54.  | v. 1099-1104: 404.   |

## LIVRE X

- |                  |                    |
|------------------|--------------------|
| v. 11-13: 399.   | v. 164-167: 23.    |
| v. 11-14: 323.   | v. 295-298: 61.    |
| v. 112-119: 213. | v. 343-344: 410.   |
| v. 137: 214.     | v. 385-389: 391.   |
| v. 141: 214.     | v. 396-397: 406.   |
| v. 141-143: 266. | v. 1062-1063: 409. |
| v. 159-161: 267. |                    |